This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

6051

B.Com. (H) / II A

Paper XV – HINDI (B)

(आधुनिक भारतीय भाषा : हिन्दी 'ख')

(प्रवेश वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 2 घण्टे **पूर्णांक : 50**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' के बी.कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश-प्राप्त छात्रों के लिए मान्य हैं । नियमित विद्यार्थियों के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षा-फल तैयार करते समय किया जायेगा ।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

हा नारी ! किस भ्रम में है तू ,
प्रेम नहीं यह तो है मोह;
आत्मा का विश्वास नहीं यह
है तेरे मन का विद्रोह !
विष से भरी वासना है यह,
सुधा-पूर्ण वह प्रीति नहीं;

रीति नहीं, अनरीति और यह
अति अनीति है, नीति नहीं ।।

अथवा

थी अत्यन्त अतृप्त वासना
दीर्घ दृगों से झलक रही,
कमलों की मकरन्द-मधुरिमा
मानो छवि से छलक रही ।
किन्तु दृष्टि थी जिसे खोजती
मानो उसे पा चुकी थी,
भूली-भटकी मृगी अन्त में
अपनी ठौर आ चुकी थी ।। 5

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

आर्य, क्षत्रियों को घमंड हो गया है । उनके सविनय प्रणाम में भी एक तीखा तिरस्कार भरा रहता है । ब्राह्मणों का सम्मान वे सहन नहीं कर सकते । वे राजमद से इतने मत्त हैं कि अध्यात्म गुरु की अवहेलना क्या, कभी-कभी परिहास तक कर बैठते हैं – उनके क्रोध को हँसी में उड़ा देते हैं । यह बात इस विशुद्ध ऋषि-कुल-सम्भूत शरीर को सहन नहीं है ।

अथवा

यह न पूछो । मैं संसार की भूली वस्तु हूँ । न मैं किसी को जानना चाहता हूँ और न कोई मुझे पहचानने की चेष्टा करता है । तुमने कभी शरद के विस्तृत व्योम-मण्डल में रुई के पहल के समान एक छोटा सा मेघ-खण्ड देखा है ? उसको देखते-देखते विलीन होते या कहीं चले जाते भी तुमने देखा होगा । विशाल कानन की एक वल्लरी की नन्हीं-सी पत्ती के छोर पर विदा होने वाली श्यामा रजनी के शोकपूर्ण अश्रु-बिन्दु के समान लटकते हुए एक हिमकण को कभी देखा है ? और उसे लुप्त होते हुए भी देखा होगा । उसी मेघ-खण्ड या हिमकण की तरह मेरी भी विलक्षण स्थिति है । 5

3. 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'जनमेजय का नाग-यज्ञ' के आधार पर मणिमाला का चरित्र-चित्रण कीजिए । 7

4. 'पंचवटी' के काव्य-सौन्दर्य की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'पंचवटी' के मूल सन्देश पर प्रकाश डालिए । 8

5. 'कर्मभूमि' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

(i) काले खाँ अमरकान्त के पास क्या बेचने आया था ?

अथवा

मुन्नी पर मुकदमा क्यों चलाया गया ? 2

(ii) "खेती क्यों छोड़ें ? बाप दादों की निशानी है । उसे नहीं छोड़ सकते ।" – यह किसका कथन है ?

अथवा

नैना की हत्या किसने और क्यों की ? 3

6. इस अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िये और इसके अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यह सर्वविदित है कि उद्यम के निर्माण में भारी लागत आती है । अत: भारी लागत में निर्मित किए गए उद्यमों की सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होनी चाहिए । किसी उद्यम एवं प्रतिष्ठान में कार्य कर रहे सभी श्रमिकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन ईमानदारीपूर्वक करें, उद्यम की सुरक्षा में आ रही कमियों को बारीकी से देखें एवं प्रबन्धन के साथ समन्वय स्थापित कर इसके समाधान हेतु ठोस प्रयास करें । उद्यम की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए । मशीनों एवं पुर्जों का अनुरक्षण निरन्तर करते रहना चाहिए ।

"उद्यम की सम्पत्ति हमारी सम्पत्ति है" यही मूल मंत्र सभी में होना चाहिए ।

(i) इस परिच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए ।

(ii) इस परिच्छेद का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) उद्यम की सुरक्षा के लिए श्रमिकों का क्या दायित्व है ? 1, 2, 2

7. (क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

सिरिमति, उज्वल, पूत्रवधु, क्रितघन, मिनाक्षी, वीधी, प्रसंशा । 2

(ख) किन्हीं **तीन** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए :

(i) उसने बहुत प्रयास की पर सफल नहीं हुए ।

(ii) किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

(iii) आज के आधुनिक युग में संचार बहुत सुगम हो गया है ।

(iv) प्रत्येक विद्यार्थी खड़े हो जाएँ । 3

8. (क) आवेदन पत्र की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

प्रतिवेदन की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए । 5

(ख) किसी **एक** विषय पर 150 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :

(i) मानव अंगों की तस्करी का अभिशाप;

(ii) विज्ञापन और व्यापार;

(iii) असंतुलित लिंग अनुपात । 5

———————